न्यायालय सिविल जज जू0डि0, बॉसगॉव
वाद संख्या–1257/2016
रामलखन वगैरह–बनाम–रामनरायन

02.11.2022:–

जे.ओ. कोड– यू.पी. 3679
सी.एन.आर. नम्बर– यू.पी.जी.के.120079742016

पत्रावली प्रस्तुत। पुकार पर उभय पक्ष विद्वान अधिवक्ता उपस्थित। उभयपक्ष द्वारा वाद–बिन्दु विरचन पर बल दिया गया। उभय पक्ष के अभिवचनों के आधार पर निम्नलिखित वाद–बिन्दु विरचित किए जाते हैं–

1– क्या वादीगण वाद–पत्र में दिए गए आधारों पर तथाकथित बैनामा दिनांकित 16.09.2016 मंसूख करा पाने के अधिकारी हैं?

2– क्या वादीगण वाद–पत्र में सूची 'अ' में दर्ज मकान व सूची 'ब' में दर्ज मकान में अपना 2/3 हक व हिस्सा अलग व जुदागाना करा पाने के अधिकारी हैं?

3– क्या वाद का मूल्यांकन कम किया गया है?

4– क्या प्रदत्त न्यायशुल्क अपर्याप्त है?

5– क्या न्यायालय हाजा को प्रस्तुत वाद के सुनवायी का क्षेत्राधिकार हासिल है?

6– क्या वादीगण को कोई हक दावा हासिल नहीं है?

7– क्या दावा वादीगण पोषणीय नहीं है?

8– क्या दावा वादीगण आदेश–7 नियम–11 जा0दी0 के सिद्धान्त से बाधित है?

9– क्या दावा वादीगण अस्पष्ट एवं वेग है?

10– क्या वादीगण किसी अन्य अनुतोष को पाने के अधिकारी हैं?

उपरोक्त वाद–बिन्दुओं के अतिरिक्त कोई अन्य वाद–बिन्दु नहीं बनता है और न ही बनाए जाने पर बल दिया गया। पत्रावली वास्ते निस्तारण वाद–बिन्दु संख्या–3,4,5 दिनांक 23.01.2023 को पेश हो।

सिविल जज, जू0डि0, बॉसगॉव
गोरखपुर।